<u>आडिट प्रस्तर/समयबद्व</u>

<u>संख्या-109/1203(1)/84-1-13-1203(आ0प्र0)/2013</u>

प्रेषक,

धर्म चन्द्र पाण्डेय,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1-नियंत्रक,
विधिक माप विज्ञान विभाग
उ0प्र0, लखनऊ।

2- निवंधक,
राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग,
उ0प्र0 लखनऊ।

3-अधिशासी निदेशक,
उ0प्र0 राज्य कर्मचारी कल्याण
निगम जवाहर भवन, लखनऊ।

4- अधिशासी निदेशक,
उ0प्र0 सचिवालय सत्कार सेवा संस्था,
जवाहर भवन, लखनऊ।

<u>उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप अनुभाग-1</u> लखनऊ दिनॉक 04 दिसम्बर, 2013

विषय- भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक की वर्ष 2012-13 की रिपोर्ट(राज्य के वित्त) में सम्मिलित करने हेतु अध्याय-2 तथा अध्याय-3 में विभाग से संबंधित आडिट आपत्तियों पर टिप्पणी उपलब्ध कराये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र संख्या-100/1203/84-1-2013, दिनॉक 18 नवम्बर, 2013 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक की वर्ष 2012-13 की रिपोर्ट(राज्य के वित्त) में सम्मिलित करने हेतु अध्याय-2 तथा अध्याय-3 में विभाग से संबंधित आडिट आपत्तियों पर टिप्पणी समयबद्व रूप से उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध किया गया था, जो अभी तक शासन में अप्राप्त है। अत: अनुरोध है कि कृपया प्रकरण में व्यक्तिगत ध्यान देकर अध्याय-2 तथा अध्याय-3 में विभागीय आडिट प्रस्तरों पर वांछित व्याख्यात्मक टिप्पणी सी0 डी0 सहित शासन को प्रत्येक दशा में **<u>दिनॉक 06-12-2013 तक</u>** निश्चित रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(धर्म चन्द्र पाण्डेय)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in